



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

20/11/91

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 2, 1991 (कार्तिक 11, 1913)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 2, 1991 (KARTIKA 11, 1913)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विधियों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	793
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1385
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	9
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1053
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के विना तथा रिपोर्टें	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)— भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ प्राप्ति क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वयं के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	933
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ प्राप्ति क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	1207
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ प्राप्ति क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वयं की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिहृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	3818
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	147
भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियुक्त और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग III—खण्ड 2—मैट्रिक कार्यालय द्वारा जारी की गई मैट्रिकों और विद्यालयों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन लयबा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग III—खण्ड 4—विशेष अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	*
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	*
भाग V—संघीय और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के] बांकों को संबंधित नामों अनुप्रास	*

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court,	793	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (II)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1365	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	9	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	933
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1653	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1207
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	3615
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	147
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (I)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति मन्त्रालय

लोक सभा मन्त्रालय

(पी० यू० बॉक्स)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 सितम्बर, 1991

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर, 1991

सं० 110-ग्रेज/91—मुख्यमन्त्री—राष्ट्रीय जीवन रक्षा पत्रक के सम्बन्ध में 27 अप्रैल, 1991 के भारत के राजपत्र के भाग 1, खण्ड 1 में प्रकाशित इस मन्त्रालय की 15 अप्रैल, 1991 की अधिसूचना सं० 80-ग्रेज/91 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

पृष्ठ 2 की कम सं० 6 में

श्री जी० एम० गिल
के स्थान पर

श्री जे० एम० गिल
पढ़ा जाए

सं० 111-ग्रेज/91—मुख्यमन्त्री—जीवन रक्षा पत्रक प्रदान करने के सम्बन्ध में 27 अप्रैल, 1991 के राजपत्र के भाग 1, खण्ड 1 में प्रकाशित इस मन्त्रालय की 15 अप्रैल, 1991 की अधिसूचना सं० 82-ग्रेज/91 में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं :—

पृष्ठ 3 की कम सं० 17 में

श्री रत्न्या बासर्गन हारसी
के स्थान पर

श्री हारसी रत्न्या बासर्गानी
पढ़ा जाए ।

पृष्ठ सं० 13 की कम सं० 40 में

श्री बाय कृष्ण बाजपेयी
के स्थान पर

श्री बाल कृष्ण बाजपेयी
पढ़ा जाए ।

सं० 4/1-पी० यू०/91—लोकसभा और राज्य सभा के निम्नलिखित सदस्य, सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के 30 अप्रैल, 1992 को समाप्त होने वाली कार्यकाल के लिए सदस्य निर्वाचित किए गये हैं :—

सदस्य लोक सभा

1. श्री मधुवन आचार्य
2. श्री ए० आर० अंतुले
3. श्री बन्धुलाल बन्धुकर
4. श्री रामसेन चौधरी
5. श्री मदन लाल घुराना
6. श्री पीठर जी० मरुमियांग
7. श्री एस० बी० चन्द्रसेखर मूर्ति
8. डा० पी० धरमल वैद्यमान
9. श्री पीयूष तिरकी
10. श्री कै० पी० लक्ष्मीकृष्णन
11. श्री बी० राजा रवि वर्मा
12. श्रीमति रीता वर्मा
13. श्री सुशील चन्द्र वर्मा
14. श्री बी० एम० विजयरामचन्द्र
15. श्री वेवेण्ड प्रसाद योच्चन
सदस्य राज्य सभा
16. श्री अश्विनी कुमार
17. श्री अजित पी० कै० जोशी
18. श्री महेश्वर सिंह लाठर
19. श्री सैयद सिद्दिक रशी
20. डा० जी० विजय मोहन रेड्डी
21. श्रीमती कमला सिन्हा
22. श्री० चण्डेश पी० ठाकुर

अवकाश मंजूर है श्री ए० आर० अंतुले की समिति का स्थापना नियुक्त किया है ।

ए० के० उपाध्याय,
निर्देशक

श्री० एम० बतरा, संयुक्त सचिव

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

(ग) राजस्व (रायस्टी) निम्नलिखित शर्तों पर की जायेगी।

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 सितम्बर 1991

सं० 25 (2)/91-एम० डी० ए०—इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने बंगलौर, पुणे तथा मुम्बई/पुणे में साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्कों की स्थापना की है। इन साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्कों का प्रबन्ध बंगलौर, पुणे तथा मुम्बई/पुणे स्थित पंजीकृत संस्थाओं द्वारा किया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने संस्था पंजीकरण अधिनियम 1960 की धारा 13 तथा 14 के प्रावधानों के अनुसार इन संस्थाओं को सशर्त करने का निर्णय किया है। यह भी निर्णय किया गया है कि बंगलौर, पुणे तथा मुम्बई/पुणे स्थित इन साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्कों की सम्पत्ति के निपटारे तथा इनके समाधान से संबंधित शर्तों तथा वेधताओं सहित उनका प्रबंध इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा दिल्ली में भारतीय साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क नामक एक पंजीकृत संस्था को हस्तांतरित किया जाएगा, जिसे स्थापना सभी साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्कों के लिए की गई है।

(1) समस्त अयोधित लेन तथा कोसिंग बैंड कम्प्लेन्स पर 314/- रुपये प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

(2) प्राकृतिक गैस के मामले में ये दरे केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों के अनुसार होंगी।

राजस्व (रायस्टी) की मर्यादी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय नई दिल्ली के बेटन तथा लेखा अधिकारी को की जायेगी।

आवेश

आवेश दिया जाता है कि यह संपत्ति भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संपत्ति की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों तथा अन्य सभी संबंधित कार्यालयों आदि को प्रेषित की जाए।

अमित चिरण शर्मा
संयुक्त सचिव

(ब) आयोष लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों के पिछले माह में प्राप्त समस्त अयोधित लेन की मात्रा, कोसिंग बैंड कम्प्लेन्स और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उस का कुल उचित मूल्य वसूली वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।

(क) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम 11 की अपेक्षाओं के अनुसार आयोष, 50,000 रुपये की अनुराशि प्रतिपूर्ति के रूप में जमा करेगा।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1991

आवेश

विषय: लेन एवं प्राकृतिक गैस आयोष को कच्छ अपनट के ब्लाक-1 विस्तारण एक के 560 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

सं० ओ-12012/32/90-ओ० एन० डी०/डी०-4—पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के नियम 1959 के नियम 5 के उपनियम (1) धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन०/डी०/डी०-4 द्वारा प्राकृतिक गैस आयोष, लेन भवन, बेहराडुन (जिसे इसमें इसके बाद आयोष कहा गया है) कच्छ अपनट के ब्लाक-1 विस्तारण एक के 560 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम भिन्नते की भ्रमात्मता के लिए एक पेट्रोलियम अन्वेषण के लिए 4 सई, 1991 से चार सई की अवधि के लिए स्वीकृति देती है जिसके निरक्षण संलग्न अनुसूची "क" में दिये गए हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।

(ख) यदि अन्वेषण पाई के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोष पूर्ण व्योरे के साथ इसकी खोज का सरकार को देना।

(ब) आयोष प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी सगणना प्रत्येक बर्ष किलोमीटर या इसके किसी अंश के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित शर्तों पर की जायेगी :—

- | | |
|--|-----------|
| (1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए | 5 रुपये |
| (2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए | 40 रुपये |
| (3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए | 200 रुपये |
| (4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए | 400 रुपये |
| (5) लाइसेंस के तृतीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए | 600 रुपये |

(घ) आयोष को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम 11 के उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के बाद होगी।

(ग) आयोग केंद्रीय सरकार की प्राप्ति किये जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषणों के दौरान पाए गए संस्त जलिन पराचों के संबंध में सूचनानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट, गुप्त रूप से लेकर तथा हर 6 महीने में लिखित रूप में केंद्रीय सरकार को संस्त परिचालनों, बेधन तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(घ) आयोग समुद्र की तलहटी और या उसकी सतह पर आग बुझाने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा भाजन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और या सरकार को सततता सुनिश्चिता देगा जिनका कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ङ) इस अन्वेषण साइसेस पर तेल क्षेत्र (विधियम तथा विकास) अधिनियम 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विधम 1954 के उपबंध लागू होंगे।

(च) पेट्रोलियम अन्वेषण साइसेस के बारे में आयोग केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर वस्तावेज भर कर देगा जो समुद्रीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(छ) आयोग खुदाई/अन्वेषी आपरेषणों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए जर्नीमीट्रिक सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आंकड़े तथा सामान्य रूप से रखा अंज्ञापन, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(ज) आयोग समुद्री बिनाम आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

(झ) समुद्री आंकड़े भारत में संकलित किये जाते हैं।

(ण) यदि विदेशी जलयोत की सर्वेक्षण पर अपनाया जाता है तो सर्वेक्षण मुक्त करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी बल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलयोतों के जाने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण वज की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

(त) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आंकड़ों की तैयार की गई समुद्री प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निमुक्त उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची "क"

कच्छ अर्धद्वीप के प्ताक—I विस्तारण एक के 560 वर्ग किलोमीटर के सीमोमिक निर्वेक्षाक

पाइठ	देशान्तर	अक्षांश
ए	23° 14' 10"	68° 18' 00"
बी	23° 14' 10"	68° 30' 00"
सी	23° 00' 00"	68° 30' 00"
डी	23° 00' 00"	68° 18' 00"

अनुसूची—ख

अशोधित तेल, कोसिंगहेब कम्बोसेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मुख्य सहित मामिक विवरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

क्षेत्रफल

माह तथा वर्ष

क. अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ख. कोसिंग हेब कम्बोसेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ग. प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त बल मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए बल मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये बल मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त बल मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद् द्वारा मैं श्री सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से और सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

हस्ताक्षर—

(मेडिवन मार्टिन)

बेस्क अधिकारी

औद्योगिक विकास विभाग
 तकनीकी विकास महानिदेशालय
 नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1991
 संकल्प

सं० सिरीमिफ/11(21)/91—भारत सरकार से सिरीमिफ उद्योग के लिए इस संकल्प के जारी होने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए निम्न प्रकार से एक विकास कार्यक्रम के पुर्नगठन करने का निर्णय लिया है :—

1. श्री डी० बंकेट्यार राज, अध्यक्ष
 मेयसर इंडिया लि०,
 52, चमियार रोड,
 मद्रास-600028
2. श्री एन० जी० बसोक, सदस्य
 औद्योगिक सलाहकार प्रभाषी,
 त० बि० सं० लि० नई दिल्ली
3. निदेशक (सी० जी० एफ० अनुभाग)
 औद्योगिक विकास विभाग
 उद्योग भवन, नई दिल्ली ।
4. विकास आयुक्त,
 लघु उद्योग के प्रतिनिधि
 निर्माण भवन, नई दिल्ली ।
5. श्री एम० के० बंसु, सदस्य
 उप निदेशक,
 सेक्टर ग्लास एंड सिरीमिफ रिलेव
 इन्स्टीट्यूट, कलकत्ता-700032
6. भारतीय खाद्य भूरो के प्रतिनिधि
 इन्डियन भवन, मिडिल लाइन्स,
 नागपुर-440001
7. भारतीय मानक भूरो के प्रतिनिधि
 मानक भवन,
 ४, बहापुर साहू जकर मार्ग,
 नई दिल्ली-110002
8. श्री बी० एम० राय, सदस्य
 उप महाप्रबंधक,
 सी० एच० ए० एल० इलेक्ट्रो पर सीलेन
 डिवाइजन, पो० बा० सं० 1245,
 बंगलौर-560012
9. श्री आर० के० सोमानी, सदस्य
 अध्यक्ष,
 हिन्दुस्तान सैन्डीबेयर एंड इन्डस्ट्रीज लि०,
 बहापुर गढ़, जिला रोहतक (हरियाणा)
10. श्री एम० उमाकाश, सदस्य
 महाप्रबंधक,
 ई० आई० जी० पैरी लि०,
 रानीपेट, मार्बे बरकोड, तमिलनाडु
11. श्री एम० नायडू, सदस्य
 प्रबंध निदेशक,
 रिजिस्त्री सिरीमिफ लि०,
 एन० एन० हाउस, चिराग अली रोड,
 हैदराबाद-500001
12. श्री एन० के० कुशल, सदस्य
 उपाध्यक्ष, कनैरिया सिरीमिफस
 सी-7, इस्ट आफ सैलाब,
 नई दिल्ली-110085

13. श्री डी० ए० कोरियन, सदस्य
 एच० एच० आर० जालसन इंडिया लि०
 कमल बैम्बस, 132 एनी बीसेंट रोड,
 बम्बई-400018
14. श्री ए० कै० कावपन, सदस्य
 महाप्रबंधक,
 सी० इंग्लिश इंडियन क्ले० लि०,
 "बेली" क्रिबेल्स-605021
15. श्री पी० एम० मोघा, सदस्य
 प्रबन्ध निदेशक,
 सी० जयश्री इन्सुलैटर्स,
 15-ए हेमला बासु सरनी कलकत्ता-7
16. श्री वेद कपूर, सदस्य
 अध्यक्ष, सी० क्लिकारी पोटरिज लि०,
 11, टागस्टाय मार्ग, नई दिल्ली-110001
17. प्रबन्ध निदेशक, सदस्य
 ज्योति सिरीमिफ इन्डस्ट्रीज लि०
 सी-21 एन० आई० सी० ई० सतपुर
 नासिक-422007 ।
18. श्री जी० एम० अमराव, सदस्य
 प्रबन्ध निदेशक,
 फेरो कौडिंग एंड क्लर्क लि०
 श्रीका, जयसण्ड हरबर रोड,
 कलकत्ता ।
19. श्री बी० डी० कौठारी, सदस्य
 प्रबन्ध निदेशक,
 सधुसूचन सिरीमिफ लि०,
 इन्डमवाबाद ।
20. श्री जी० के० सगन, सदस्य
 प्रबन्ध निदेशक,
 सी० अंगल वीटरीज लि०,
 11, सरीजनी नायडू सरनी
 कलकत्ता-800001
21. डा० एम० सैत जर्मा, सदस्य-अधिव
 सहायक विकास अधिकारी
 त० बि० सं० लि०, नई दिल्ली ।

2. नासिक के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे :—

1. उद्योग की मौजूदा स्थिति की राज्यवार समीक्षा करना तथा इसके भावी विकास के लिए क्षमता, उत्पादन, मांग का अनुमान और अन्तरालों को पूर करने की शिकारितें करना ।
2. औद्योगिकी के वर्तमान स्तर का अध्ययन करना तथा औद्योगिकी के उद्योग के उत्पादन के लिए अधिक औद्योगिकी का अनुमान लगाना ।
3. कच्चे साजले तथा ईंधन के लिए निवेश संभावनाओं का मूल्यांकन करना तथा ऊर्जा एवं कच्चे तेल के उपभोग के लिए सार्वकों का स्तरीकरण तथा ऊर्जा की यज्ञता की प्रशिक्षा तथा औद्योगिकी का विकास करना ।
4. उत्पाद एवं उसके लिए कच्चे साज और अवयवों के जायात प्रतिस्थापन के बारे में उपाय सुझाना ।

- 5 उष्ण प्रीघोणिनी के लिए मध्यम कच्चे माज की संघाषणाओं का पता लगाना तथा कच्चे माज के विकास के लिए सापेक्षिक राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/संस्थानों में उचित आर० एण्ड डी० क्रियाओं को अपनाया ।
- 6 भिन्निकृत उत्पादों का निर्यात क्षमता का पता लगाना, संगठित होना तथा लघु उद्योग के छोटे से मियान मार्ग के स्वदेशी विकास के क्षेत्र का पता लगाना ।
- 7 मिनीमल उद्योग के विकास और वृद्धि के लिए नामिका द्वारा आवश्यक समर्थन देने वाले अन्य कोई विषय ।

आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी सम्बंधित व्यक्तियों को भेजी जाए । यह भी आवेदन दिया जाता है कि आम सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

दिनांक 1, नवम्बर 1991

संकल्प

सं० संदर्भ/4(4) 01—भारत सरकार ने रिफ्लेक्टरी उद्योग के लिए इस संकल्प के जारी होने की तारीख से 12 वर्ष की अवधि के लिए निम्न प्रकार से विकास नामिका का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है -

- 1 श्री स्वासीकायन, अध्यक्ष, प्रबन्ध निदेशक, मैसर्स टाटा रिफ्लेक्टरीज लि०, एक्स० एन० आर० आई० केम्पस, बी० एच० एरिया (पूर्व) जयसेनपुर ।
- 2 श्री एन० जी० बहाल, अध्यक्ष, प्रीघोणिक सलाहकार (प्रभारी), ए० लि० स० लि०, उद्योग भवन, नई दिल्ली ।
- 3 निदेशक (सी०जी०एच० अनुभाग) प्रीघोणिक विकास विभाग, उद्योग मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली ।
- 4 डी० सी० (एस० एस० आई०) का एक प्रतिनिधि, निजीय भवन, नई दिल्ली ।
- 5 डा० बी० बज्जरी, केन्द्रीय स्नातक तथा तैयारिक अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता-700032 ।
- 6 निदेशक, भारतीय स्नातक स्तर उद्घाटन संघ, नालपुर-440001 ।
- 7 श्री सैयद मुनीर हुसैन, अध्यक्ष निदेशक, मैसर्स तमिल नाडु मैमैसाइट लि०, 8183, ओमनाथ मेन रोड, जयविर जलमायाप्रदेश, दिल्ली-838302
- 8 अध्यक्ष, मै० भारतीय स्नातक स्तर उद्घाटन संघ, भक्तानन्द, पल्लवा तल, नारीमन प्वाइंट, बम्बई ।

- 9 अध्यक्ष, अधिकृत भारतीय स्नातक उद्घाटन संघ, 812, नई दिल्ली हाउस, 27, बाउन्डरी रोड, नई दिल्ली-110001 ।
- 10 अध्यक्ष, भारतीय रिफ्लेक्टरी निर्यातकर्ता संघ, 8, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001 ।
- 11 निदेशक, भारतीय स्नातक स्तर, फिरोजशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली ।
- 12 श्री ए० के० बज्जरी, मैसर्स ए० सी० सी० लि०, [(केन्द्रीय अनुसंधान स्टेशन) घाने, महाराष्ट्र ।
- 13 श्री बी० एस० बाई, डी० जी० एस० (स्टील तथा रिफ्लेक्टरी) आर तथा डी सेल, रांची, बिहार ।
- 14 डा० एन० आर० सरकार, निदेशक (तकनीकी) मैसर्स भारत रिफ्लेक्टरी लि०, बोकारो (बिहार) ।
- 15 श्री आर० बी० के० मिश्री, पणत प्रबंधक, रिफ्लेक्टरी प्रभाग, मैसर्स काबोन्डम यूरोकर्टल, 24, राजाजी रोड, मद्रास-600001 ।
- 16 श्री आर० एच० बालमिया, मैसर्स ओडीसा उद्योग लि०, उदित नगर ओडीसा ।
- 17 श्री के० पी० सुनसुनवाला, मैसर्स ओडीसा उद्योग लि०, उदित नगर ओडीसा ।
- 18 श्री एस० बी० राजगारिया, मैसर्स ओरिएण्ट एलैमिन्स लि०, बंसल भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।
- 19 श्री सुशील राय, मैसर्स इण्डो-वैलेंटिन्स लि०, 3, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001 ।
- 20 श्री बी० बी० बोस, विकास अधिकारी, ए० लि० स० लि०, उद्योग भवन, नई दिल्ली ।

नामिका के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे :-

1. उद्योग की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करना, सक्षम से इसके विकास के लिए परिश्रम, साधन का मूल्यांकन करना तथा अल्पताओं को पूरा करने के उपायों को सुझाना ।

2 ए. प्रौद्योगिकी के स्तर का सुव्यवस्थित करना तथा इसे वांछित स्तर पर लाने के लिए इसके उपयोग के सम्बन्धित उपायों तथा आधुनिकीकरण के लिए उपाय सुझाना।

बी. विकास के स्तर पर विचार करना तथा बिजाइन/प्रक्रिया जैसे कि प्राथमिक है, के विकास के लिए उपाय सुझाना।

3 तन्तु तथा ऊर्जा उपयोग के लिए मातृकों के संघर्ष में सहाह देना, इसके उपयोग में लगी कसों के लिए कचम उठाने तथा क्षमता और उत्पादन में सुधार के लिए सहाह देना।

4 उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों के लिए आर्थिक तथा वांछित उत्पादन मापदण्डों के सम्बन्ध में सहाह देना।

5 उत्पाद, इसके कच्चे पदार्थ, तथा अवयवों के आयात—प्रति-स्थापन के लिए उपायों को सुझाना।

6 कच्चे पदार्थों की आपूर्ति के स्रोतों तथा उपयोग के क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए उद्योग के विकास तथा क्षेत्रीय विकास के प्राक्ष्य पर सहाह देना।

7 उद्योग के विकास तथा उन्नति के लिए किसी भी पहलु पर जिसे नामिका महत्वपूर्ण समझती हो, विचार करना।

भावेन

यह भावेन दिया जाता है कि लक्ष्य की एक एक प्रति सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को सौंप दी जाए। यह भी भावेन दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिए लक्ष्य की सागत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

मन्त्र मोहन,

निदेशक (प्रसासन)

भम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1991

सं० न्यु-18012/2/89-ई० एस० ए० (खण्ड १०) ()—केन्द्रीय अधिक शिक्षा बोर्ड के नियम तथा विनियम के नियम 4 (V) तथा (VII) के साथ पठित नियम 3 (iii) के अनुसरण में भारत सरकार की निरीक्ष भारत दास, अध्यक्ष, इंटक, बिपुरा शाखा को बी पी० एस० बाटीबार, संगठन सचिव, इंटक बिपुरा के स्थान पर केन्द्रीय अधिक शिक्षा बोर्ड में भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन आयोग का प्रतिनिधित्व करने लिए इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से केन्द्रीय अधिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

2. भारत के राजपत्र भाग-1, खण्ड-1, में प्रकाशित तथा समय-समय पर संशोधित भ्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० न्यु-18012/2/89-ई० एस० ए० (खण्ड १०) दिनांक 25 जून, 1990 में तत्कालीन विनियम-लिखित परिचर्जन किये जायेंगे :—

(1) विद्यमान प्रविष्टि के लिए ; अर्थात् :—

"15. बी पी० एस० बाटीबार,
संगठन सचिव, इंटक, पोस्ट बाक्स नं० 38,
जिबान फूलन नगर, बिपुरा-786001"

(II) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जायेगी, अर्थात् :—

"15. बी निरीक्ष भारत दास,
अध्यक्ष, इंटक बिपुरा शाखा,
मार्फत बिपुरा बाय मजहूर सुमियन,
कृष्णा नगर, नुमानपल्ली,
पो० धो०—अमरगन्ना-789001,
परिचर्मी बिपुरा"

जी० एस० मोहाना,
संयुक्त सचिव

इस्पात और खान मंत्रालय

नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1991

सं० ए. 4/3/91-एस II(V)—निम्नलिखित रिक्त पदों को भरणे के लिए 1992 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली जल संसाधन मंत्रालय को अनुमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

धर्ग-I (भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण, इस्पात एवं खान मंत्रालय को पद)

(1) वैज्ञानिक "ब" जल भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क और

(2) सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप क

धर्ग-II (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड) जल मंत्रालय में पद)

(1) वैज्ञानिक "क" (कनिष्ठ जल, भू-विज्ञानी) ग्रुप "क"

(2) सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप "क"

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदवर्गों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप में उल्लेख करना चाहिए। प्रत्येक लिए वह धर्गीयता क्रम से विचार किए जाने का हक्क है।

जिस पद वर्ग/वर्गों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ सके हैं उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट धर्गीयताओं के परिवर्तन संबंधी किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि हम प्रकार के परिवर्तन में सम्बन्ध अनुरोध रोजगार समाचार में लिखित परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख के 30 दिन के अन्तर या उसके पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शक में अस्थाई रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थाई रिक्तियां जैसी उम्मीदवार अपनी दावी में स्थाई रूप से नियुक्त कर लिए जाएंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के शरक्षण सम्बन्ध द्वारा निर्धारित रूप से किए जाएंगे।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिच्छेद-1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कम और कहाँ होगी यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5 कोई उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के द्वाबे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ निम्नलिखित वर्णार्थी हो, या
- (ङ) भारत में स्थाई निवास के द्वाबे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी वंशों या जाम्बिया, मलावी, जेम्बे, एशियाफिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु गर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (क), (ग), (घ) और (ङ) से संबंध उम्मीदवारों को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रवास किया हो।

यदि उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे निम्नलिखित प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6 (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु पहली जनवरी, 1992 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1962 से पहले और पहली जनवरी, 1971 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम 1 में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम 2 में उल्लिखित समस्त पद (पदों) होने आवश्यक करते हैं उनके मामले में ऊपरी आयु सीमा में अधिकतम 7 वर्ष की छूट दी जाएगी :—

कालम 1	कालम 2
भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण	भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप "क" सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप "ख" वैज्ञानिक "ख"
केन्द्रीय भू-जल बोर्ड	(कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी) ग्रुप "क" सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप "ख"

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में और छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक;

(2) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यापत्ति हुआ हो या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यापत्ति हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(4) पाठ्य देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(5) पाठ्य देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1992 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कवाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुए शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1992 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

(7) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी 1992 को कम से कम पाँच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कवाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुए शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1992 से 1 वर्ष के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक;

(8) आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी 1992 तक पूरी कर ली है, और जिनकी नियुक्ति 5 वर्ष से अधिक बढ़ाई गई हो तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जिनके होने पर नियुक्ति का प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1992 तक पूरी कर ली है और जिनकी नियुक्ति 5 वर्ष से अधिक बढ़ाई गई हो तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे जिनके होने पर नियुक्ति का प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

टिप्पणी 1 : भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पुनः रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टिप्पणी 2 : भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 6 (ग) (6) और 8 (ग) (7) के अधीन आवेदन किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

उत्तर की गई व्यवस्था का अंशकाल निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें :—

(1) जिस उम्मीदवार को नियम 6(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(2) जो उम्मीदवार अपने विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानांतरित हो जाता है वह उस पद

(पदों) हेतु विभागीय आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानांतरण न होने पर रहता, बसंत कि उसका आवेदन-पत्र विधिवत अनुसूचा सहित उसकी मूल विभाग द्वारा अंगीकृत कर दिया गया हो।

7. उम्मीदवार के पास :—

(क) भारत के केंद्र या राज्य विधान सभल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भू-विज्ञान या प्रयुक्त भू-विज्ञान वा समुद्र भू-विज्ञान में "मास्टर" डिग्री, या

(ख) भारतीय नाम विद्यालय भनबाव से प्रयुक्त भू-विज्ञान में एंस्तिफिण्टिफ का डिप्लोमा, या

(ग) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कनिष्ठ अन्वेषण में मास्टर डिग्री (केवल भारतीय भू-बैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीन) के लिए, या

(घ) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बल-भू-विज्ञान में मास्टर डिग्री (केवल केंद्रीय भू-जल बोर्ड के पदों हेतु)।

टिप्पणी 1 :—यदि उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र हों तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 26 अगस्त, 1992 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्दिष्ट अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बसंत कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसके स्तर आयोग के मतानुसार ऐसी हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहर सके।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त की है किन्तु उसके पास किसी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैग 6 में निर्धारित सूचक का भुगतान अनिवार्य करना चाहिए।

9. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकास्मिक या वर्तनिक धर कर्मचारी से हतर स्थाई या अस्थायी ह्रासियत में या कार्य प्रभांरत कर्मचारियों की ह्रासियत से काम कर रहे हैं या जो साध-जनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह वचन (गंउरटॉकिंग) प्रस्तुत करवा होगा कि उन्हाके लिखित रूप से अपने कार्यलय/विभाग के प्रधान को सूचित कर दिया है कि उन्हांने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके निमाकता में उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आक्षेप-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सीट-फिकट आफ एडमीशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बखल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे बयान दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवार के संबंध में किसी अन्य अभियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हैं जो गललील भाषा में या अशुभ आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो, अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुबंध का उल्लंघन किया हो,
- (12) पूर्वोक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो तो उस पर आपराधिक

अभियोग (किमिनास प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग उक्त परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है तथा/अथवा,

(ख) उसे स्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से

बारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अंतर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार इस संबंध में जो लिखित अभ्यावेदन देने चाहें उसे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया हो तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विषया पर निर्धारित स्मृततम अंक के प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरणे के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन आहारित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुमति करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकती किन्तु शर्त यह है कि वे उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के जो उम्मीदवार जना समुदायों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उपनियम में परिणित किसी छूट का लाभ उठाए बिना जूने जाते हैं उनका समा-योजन अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की भूषता किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आभार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न पदों के लिए बताए गए प्रत्येक क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता है इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार प्राप्ति करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए या संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों परीक्षा के बाद यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात हुआ कि यह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। जब उम्मीदवारों का नियुक्ति किए जाने का सभाषना है तबल उसी की डाक्टरों परीक्षा की जाएगी। डाक्टरों परीक्षा के समय उम्मीदवार सुबक के रूप में र. 16-00 (चौदस सालह रुपये) का भुगतान माइकरोस बाई करेगा।

नोट :—निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्विस स्तर के सरकारी अधिकारी अधिकारी से अपनी डाक्टरों प्राप्ति करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरों परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वच्छ के विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। विकास हुए भूतपूर्व सैनिकों को एक विशेष की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जाएगी।

19. जिस व्यक्ति से—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि कोशिय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के पुरुष पक्ष पर जागू होने वाले व्यक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने

के लिए अन्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

राज्य भारतीय, अवर सचिव

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1—नीचे दिए गये में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा।

भाग 2—आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु चुनाए जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तिगत परीक्षण के अधिकतम 200 अंकों (बीच में नीचे दिए 8) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

विषय	कोड सं०	समय	पूर्णांक
(1) सामान्य अंग्रेजी	01	1 1/2 घंटे	100
(2) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र I, जिसमें सामान्य भू-विज्ञान, भू-आकृति, विज्ञान, भू-रासायनिक भू-विज्ञान, स्तरकम विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान होंगे	02	3 घंटे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र II, जिसमें फिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान, रील, विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे	03	3 घंटे	200
(4) भू-विज्ञान, प्रश्न-पत्र III, जिसमें भारतीय खनिज निक्षेप खनिज अभ्युपेक्षण, खनिज अर्थशास्त्र और आर्थिक भू-विज्ञान होंगे	04	2 घंटे	150
(5) जल भू-विज्ञान	05	2 घंटे	150

नोट :—वर्ग 1 और वर्ग 2 के अंतर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग 1 के अंतर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग 2 के अंतर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तथा (5) तक विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'बस्तुपरक' (बहुविकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। प्रश्नों के प्रश्नों सहित विवरण की लिए कृपया आयोग के नोटिस के अनुबंध 2 पर "उम्मीदवारों के सूचनापत्र" विवरणिका देखिए।

प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएँ) कोस अंग्रेजी में होंगी।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यचर्या संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी बिंदुओं के लिए अर्हक अंक निर्दिष्ट कर सकता है।

7. उम्मीदवार बहुत परक प्रश्न पत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिए कोमप्यूटरो का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

8. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधावृत्ति, व्यवहार कौशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जाविरक्ता प्रायोगिक अनु-प्रयोग की शक्ति और पारिवारिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यचर्या

अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जाती है। भूवैज्ञानिक विषय भारतीय विश्व-विद्यालय की एम. एस-सी. डिग्री स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिनमें उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी (कोड 01)

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्त करने की शक्ति को जाँच करने के प्रश्न दिए जाएंगे।

(2) भूवैज्ञानिक प्रश्न-पत्र 1 (कोड 02)

क—सामान्य भू-उद्गम—महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापन महा-सागर विस्तारण और प्लेट विवर्तनी की संकल्पना पुराजलवायु और उनकी विशेषता। समस्थिति पुराजलवायु। विषटना-शक्ति और उनका भू-विज्ञान में अनुप्रयोग। भूकानान क्रम और भूकाल भूकम्प विज्ञान और भूगर्भ। भू-अभिनति। ज्वानामुखी-यता। द्वीप सागरीय सागर, साइबो और अन्य महासागरीय कटक कोरल रीफ़। पर्वतन और महाद्वेष रचना। पर्वतनी चक्र।

ख—भू-आकृति विज्ञान—भू-आकृतिक प्रक्रम, लक्षण और उनके प्राचल। भू-आकृतिक चक्र और उनका अर्थ निर्दिष्टन। स्थलाकृति और संरचनाओं में इनका संबंध। मृदा।

ग—संरचनात्मक भू-विज्ञान—बृहदान्ते के भौतिक गुण। विकृण, भूदल और फालिस्टन गुण कौण्डिंग—उनकी पार्थिक प्राथमिक संरचना संरक्षण शक्ति और जोड़। विलय अंतर्बंधी और लक्षण गुणवत्ता। संस्तरों के शीर्ष तथा तल की पहचान। विषय विन्यास पटल विकृण। शैल विन्यासी, विन्यास।

घ—स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धान्त तथा नामपद्धति। निम्न स्तरिकी तथा पुराभूगोल की स्वरसाए। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्ररूप अनुमान। गोंडवान प्रणाली तथा गोंडवाना महाद्वे।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगला देश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल प्रमुख भारतीय शल समूह में सह-संबंध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएँ।

ङ—पुराभूगोल (क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण, पद्धति तथा वयंग। अकालिकियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान संबंधी इतिहास, प्रवाल, भूपात्र, पटल कलौस, एसीनाइटीज जेठरपाव, ट्राइनोहाकॉपि शून चर्मी गण्टोनाइट्स और फॉर्मिनीफर्स।

(ख) गोंडवाना तथा शिवालिक प्राणिजात पर शल केते हुए कालिकों का प्रमुख समूह। सात हाथी तथा घोड़ा का विकास वृत्त।

(ग) गोंडवाना वनस्पति पर वल सहित जीवाश्म वनस्पति तथा इनका महत्त्व और वितरण।

(घ) रूसपुराभूगोल फोरमिनीफराइड्स के विशेष संबंध में इसका महत्त्व उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा पुराभूगोल विज्ञान।

(3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र 2 (कोड 03)

क—क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलो को समिमिति तत्व तथा वर्गीकरण। प्रक्षेप—गोलीय तथा त्रिभुज 32 कलास (विषय समूह)। यममय तथा क्रिस्टल अपूर्णता।

ख—वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

खनिज के भौतिक, रसायनिक, वृद्ध, भूभूकथि तथा पाणी-गुण धर्म। सिनिकोटों की संरचना तथा वर्गीकरण।

आनिनीत ग्रुप, गार्नेट ग्रुप, एम्फोट ग्रुप और मल्लिनाइट ग्रुप। जेडकान, स्कीन मिलिमनाइट, एन्थानसाइट, कायनाइट, एल्बराइट, स्टारनाइट वैरिज, कार्नाइलाइट दूर मैमीन। पाइ-रायसीन ग्रुप और एम्फिबोल ग्रुप। सोसटोनाइट और रोजे-नाइट ग्रुप तथा स्कूपो लाइट ग्रुप। आयनाइड्स हाइड्रोक्नाइड्स फ्लुव्वायर ग्रुप मिलिका मिनटल्स फॉस्फोसाइड ग्रुप। जियोलाइट ग्रुप तथा स्कूपोलाइट ग्रुप। आयनाइड्स, हाइड्रोक्नाइड्स कार्बोनाट्स फॉस्फेट्स हाइड्राइड्स, सल्फाइड्स तथा सल्फेट्स।

ग—प्रकाशित खनिज विज्ञान

प्रकाशिकी के सामान्य सिद्धान्त। प्रकाशिक उप साधन। अपवर्तन, द्विवचनवर्तन, विषय कोण, अक्षवर्तन। प्रकाशिक दोषवर्तन, प्रकाशिक अक्षीय कोण। उकासन अभिविन्यास परि प्रेरण प्रकीर्णन। प्रकाशिक विवर्तितियाँ।

घ—दैनिक विज्ञान

(1) आगमन : स्वरूप संरचना, गठन और वर्गीकरण प्रोताइट-पेनाइटाइट । साइनाइट—नेफेलाइट साइनाइट ग्रोथोर्गीडो-टाइट—डुनाइट, डाइटाइट, लैप्रोफायर, पैमाटाइट एल्वाइट, आर्थाइनाइट कार्बोनाइट । रिडोसाइट टुंकाइट, डैलाइटो एन्डो-नाइट तथा वेरान्ट ।

विनिकोट सिस्टम में प्राथमिक निगम तथा सामान्य । विष-पट्टक तथा विषपट्टक तन्त्र । क्रिस्टलीकरण क्रम । अभिक्रिया सिद्धांत क्रिस्टलीकरण—अभेकता । विभिन्नता । आग्नेय । ग्राइबेर्ट्स मैग्नीनरनिक तथा क्षारीय क्षैण कार्बोनाटाइट्स पना-टाइट्स तथा लैप्रोफायरों का उत्पन्न ।

(2) अवसादी : वर्गीकरण तथा बनावट । अवसादों का भूत । गठन और संरचना । अवसादों की प्रमुख समूहों का अध्ययन । अवसादों का यांत्रिक विश्लेषण । निक्षेपण की पद्धतियाँ । पुराभारतीय तथा क्षणी विश्लेषण । अवसादों का उत्पन्न क्षेत्र निक्षेपणीय पर्यावरण भारी खनिज तथा उनका महत्व । जिली भवन तथा प्रसंभन ।

(3) कार्बोनाट शैल : कार्यान्तरण के कारण इन्फ्रानियम संरचना, क्षणी तथा यलक्षण । कार्बोनाट विभेद । लव्हांतरण तथा सोनाइट भवन । अभिसंरचना, क्षणिकारण, चानोकाइट, चोलाइट्स, शिष्ट, ग्राइबेर्ट्स और हाइड्रॉक्सीफेरेट । रूपा और आराजनी के संबंध में कार्यान्तरण ।

झ—भू-रसायन विज्ञान

अवयवों का अन्तरिक्षी बाहुल्य पृथ्वी का प्राथमिक भू-रसायनिक विभेद, अवयवों का भू-रसायनिक वर्गीकरण अनु-गोप अवयव/जल का रसायन विज्ञान । अवसादों का भू-रसायन विज्ञान भू-रसायनिक चक्र तथा भू-रसायनिक पर्यावरण के निदर्शित ।

(4) भू-विज्ञान पठन-पत्र 3 (कोड 04)

ञ—भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित भाग तथा अध्याय अवस्था और खनिजों का भारतीय निक्षेप या उनके वितरण, उपस्थिति तथा उत्पन्न जगहों के संबंध में हों :—

(क) तांबा, सीसा, जस्ता, एल्यूमिनियम, मैंगनीज, लोहा, मैंगनीज, क्रोमियम, सोना, चांदी, टंगस्टन तथा मोलिब्डेनम ।

(ख) अभ्रक, बामथनाइट, एन्स्टेस, पेरॉटिस, ग्रेनाइट, जिप्सम, गारिक, मर्यादा तथा अन्यतन्त्र खनिज, उपजाऊपन्न खनिज, अपचूर्ण, तथा मरिक्का शिष्ट के खनिज, लौह, उर्बेरक, सीमेंट इन्फ्रानियम तथा वर्णन उद्योग निर्माण पथर ।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु ऊर्जा खनिज ।

ल—खनिज अन्वेषण

पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय अन्वेषण की पद्धतियाँ क्षेत्रगत उपरक तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण, अवस्था विभाग का पता देने वाले निवेश, अवस्था विभागों का प्रतिचयन, आमापन और मूल्यांकन । खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रसायनिक तथा भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों का अनुप्रयोग ।

म—खनिज अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था में खनिजों का महत्व । विभिन्न उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग । मंग, आपूर्ति और परिस्थिति । भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य । खनिज उद्योगों के अन्तर्गृहीत पक्ष । सामरिक, कर्षित और प्रतिस्पर्धी खनिज । संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति । खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति ।

न—आर्थिक भू-विज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थायिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण । आवश्यक आर्थिक तथा अधार्थिक खनिजों का अध्ययन या उनको खनिजोद्यता, उपस्थिति तथा वितरण के संबंध में विदित किया जाये ।

(5) जल-भूविज्ञान (कोड 05)

जल-भूविज्ञान चक्र । भूपर्यटी में जल वितरण । जलीय चक्र में भूतल आकाशी, मैगज और मैगज जल और स्रोतों का उत्पन्न । जलधारी लक्षणों की दृष्टि से जलों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक । भूजल की उपस्थिति के अनुकूल भू-वैज्ञानिक संरचना, भू-जल क्षेत्र । भू-जल भण्डार—जल भर, मिटजल-भूत, अक्षीटाईस । प्रसंभन का वर्गीकरण ।

जलों के जल-वैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भण्डार)—परधृता रिक्ति अनुपात, चुम्बकशीलता, परागम्यता स्टोरेटिजिटी आर्ग-क्षिक पराभज, क्षार्थिक भारिता, विसरणशीलता । भू-जल भण्डार के गुणधर्मों की पहचान की पद्धतियाँ—कूप पद्धतियाँ तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के निमर्जन द्वारा चम्बकशीलता और आर्गक्षिक पराभज । स्टोरेटिजिटी की पहचान । भू-जल की गति प्रदान करने वाले बल । भू-जल गति के नियम—हासी नियम के भूजल का पुनर्भरण—कृषि तथा प्राकृतिक, पुनर्भरण के नियंत्रक कारक, भू-जल के दूषित और क्षयी प्रयोग ।

भू-जल अन्वेषण की पृष्ठीय तथा उप-पृष्ठीय प्रविधियाँ—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संतुलन । भू-जल निष्कर्षण की प्रविधियाँ (कूप-प्रकार सर्वाधिक उपयुक्त हेतु विभिन्न प्रकार के क्षेत्र-क्षेत्रों से कूप निर्माण की पद्धतियाँ) । विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—जल उद्योग तथा सिंचाई संबंधी के संबंध में भू-जल के रसायनिक के लक्षण, जल प्रदूषण ।

परिशिष्ट-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की मृत्ति के लिए एकजित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि अपेक्षित शारीरिक

स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षा द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारण मानक को अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप में स्पष्ट कारण बताते हुए भारत सरकार को यह अनुरोध कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा। सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग कर्मचारियों के मामले में पहले की अपेक्षाओं को देखते हुए स्तर में छूट दी जाएगी।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उससे कोई ऐसा शारीरिक बोध न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो-इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की भाषा, कब और छाती के बोधों के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड को उपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के अंकित भंडों अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाएँ। यदि बजन, कब और छाती के बोधों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा और उनकी छाती का एक्स-रे सेवा चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कब निम्नीकृत विधि में मापा जाएगा :—

कब अपने ऊपर उभार देगा और उस मापदण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार माप कर लड़ा किया जाएगा कि उसके पांच हाथों से ऊंचे रहें और उसका वजन सिधाए पहियों के पाखों के खण्डों या किसी और जिससे पर न पड़े। यह बिना ऊकड़ें सीधा रखा होगा और उसकी पहियों, पिछलियाँ, पिल्ले और कंधे मापदण्ड से साफ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी सीधी रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (हठकेला आधा हथुड़ा गेज) एरिजेंटल बार (माड़ी लठ) के नीचे आए। कब सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति बसा किया जाएगा कि उसके पांच उठें हों और उसकी भजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लपेटा जाएगा कि इसका उपरी किनारा समफलक (सैक्वर इलेड) के निम्न कोणों (इन्फरियर एंगल्स) के पीछे लगा रहे और तब फीते को छाती के गिर्द सेजाने पर उसी आडू सेस-लम (हॉरिजेंटल/प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया

जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कब बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा। और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (प्रेशन) को गोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान दें :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कब और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किनोडम में होगा। आधी किनोडम का उसका भंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नीकृत नियमों के अनुसार की जाएगी। इसके बीच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल) किसी रोग या असामान्यता (एनार्मल-लिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आँखें अच्छा साफ जागी संरचनाओं (कॉन्स्ट्रक्शन स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो तो उसे ठंड या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्जामिनेशन) दृष्टि तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी एक वर की नजर के लिए और दूसरी सखरीक की नजर के लिए। इसके आँख की वलन-कलन परीक्षा की जाएगी।

जबसे के बिना आँख की नजर (नेकड आइं विजन) की नौकरी उपलब्ध सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु एनेक मामलों में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आँखों की क्षमता के प्राप्ति से बल-सम्पत्ता (बेसिक इन्फार्मेशन) प्राप्त जाएगी।

जबसे के साथ और जबसे के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मापक निम्नीकृत होगा।

दूर की दृष्टि निकट की दृष्टि

अच्छी आँख	खराब आँख	अच्छी आँख	खराब आँख
6/9	6/9	0.8	0.8
अथवा	अथवा		
6/6	6/12		

टिप्पणी (1) सायोपिआ का कृत परिणाम (गिल्लेण्डर संहिता) 4 00 डी स अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपर सेटोपिया का कृत परिणाम (गिल्लेण्डर संहिता)—4 00 डी स अधिक नहीं होना चाहिए।

टिप्पणी (2) कण्डूस परीक्षा पक्षों तक सम्भव होगा बिक्रिया जोड़ की विविधता पर कण्डूस परीक्षा की जायगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी (3) कलर विज्ञान :

(1) कलर विज्ञान की जांच जरूरी होगी।

(2) नीचे दी गई तापितता के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और (निम्नतर) जोडर प्रेडो से होना चाहिए। या लैटर्न एपार्चर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2. डारक (एपार्चर) का आकार	1.3 मि०मी०	1.3 मि०मी०
3. उद्भासन काल	5 सेकेण्ड	5 सेकेण्ड

भारतीय भू विज्ञान सर्वेक्षण के सम्बन्ध भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) तथा सहायक भू-विज्ञानी तथा क्षेत्रीय भूमि-जन बोर्ड से सम्बन्ध कनिष्ठ जय तथा भविज्ञानी तथा सहायक जय भू विज्ञानी के पदों के लिए रंग, प्रत्यक्ष ज्ञान तथा आँखों से संबंधित सभी बिक्रिया मानकों का स्तर उत्तम होगा।

(3) जाम संकेत, हरे संकेत और रंग गो आसानी से और बिच-किचाहट के बिना पहचान सेवा संतोषजनक कलर विज्ञान है। दृष्टिगत के प्लेटों के हरेमान को अन्तः पवित्र ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और उसकी रंगीनी में दिखाया जाता है कलर विज्ञान की जांच करने के लिए बिल्कुल शिष्टाचारिय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों आँखों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सबक, रंग और हवाइ यादगार के संबंधित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। जय जाने मामले में जय उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

टिप्पणी (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) सम्बन्ध विधि (कन्स्ट्रिक्शन मैथ) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायगी। जब लैम्पी जांच का तरीका सर्वतोपजनक या संविश्व हो तब क्षेत्र को परमायी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5) रंगीनी (नोट टनाइण्डेस) लैम्प विशेष मामलों को छोड़कर रंगीनी की जांच लैम्पी रूप से जरूरी नहीं है। रंगीनी में बिनाह न देने की जांच करने के लिए कोई स्पेण्डर टैस्ट निर्धारित नहीं है। मीडिकल बोर्ड को ही लैम्पी काम सत्यापित

टैस्ट कर लेने चाहिए जैसे रंगीनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में साकर 20 से 30 मिनट के बाद उसमें विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों को कहने पर ही हमेशा विवदास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (6) दृष्टि की तीक्ष्णता में भिन्न आँख की विचार (प्राक्वयनर कण्ट्रीशन्स) :

(क) आँख की अंग संबंधी बीमारी को या पहचानी जाए अप-वर्तन बूटि (रिफ्रैक्टिव एरर) को, जिसके परिणाम-स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता में कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहो (टुकोसा) रोहो जब तक भयावक हों साधा-रणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भैगापन : अन्तः दोनों आँखों की दृष्टि का होना जरूरी है भैगापन अयोग्यता माना जाएगा, बाह्य दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(घ) एक आँख वाला व्यक्ति : एक आँख वाले व्यक्ति की नियमित रूप अर्जना नहीं की जायगी।

7 रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) :

हल्द प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने नियमों से काम लेगा। नार्मल मेरसीयम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की गाम बनाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100-110 आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110-120 भाभी आयु का सामान्य नियम धिन्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को क्षीयता मान सेवा चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी शीतस राय देने में पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह भी पता लगना चाहिए कि पत्रगहट (एम्पाइरमेंट) आदि के कारण हल्द प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कापिक (आर्पितिक) बीमारी है। लैम्पी सभी मामलों में तृदय का पर्य-रूप और हृत्कटाहार्पितोवाणी जांच रक्त गरिरा निकाय (क्लियरन्स) की जांच भी लैम्पी और पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ल्लर प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित गारा जाने दाबमापी (मर्करी सानोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रमेंट) हमेशा मान करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या पत्रगहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो वगैर कि यह और विशेषकर उसकी गांठ शिथिल और आराम से हो। बाँध थोड़ी बहूत होनी-

बॉटल स्थिति में रोगी के पाख पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूर्ण तरह हवा निकाल कर धीरे की रस की भुजा के अंदर की ओर रख कर और उसके निचले किनारों को कोहनी के मोड़ से एक या दो हाथ ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कफ की पट्टी को फेंका कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मांस पर बाहु, धमनी (ब्रैकिअल आर्टरी) को दबा-वया कर रूखा जाता है और तब उसके ऊपर धीरे-धीरे स्ट्रॉ-म्बाप को हल्के से लाया जाता है या कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200एम एम एच. जी हवा भरी जाती है और उसके बाव इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है हल्की क्रमिक ध्वनि से सुनाई देने पर जिस स्तर पर पारों का कातम टिका होता है वह सिस्त्रानिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा दिखायी जायगी तो और तेज ध्वनि सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये माफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लग्न लग्न हो जायें वह हायस्टाटिक प्रेशर है। इस प्रेशर काफी धीरे धीरे बढ़ाते हैं ताकि कफ को लंबे समय का दबाव न हो सके और आसानी हो सके और इससे रीब्रिंग गलत होती है। यदि दोबारा पबताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पानी हवा निकाल कर कुछ मिनिट के बाद ही ऐसा किया जाय। कभी-कभी कफ में से हवा निकलने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनि सुनाई पड़ती है दाब घटाने पर ये गायब हो जाती है तथा निम्न स्तर पर पन प्रकट हो जाती है। इस 'साहचर्य' से रीब्रिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षा की उपस्थिति में किए गए सूत्र की पूर्ण परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के सूत्र में सामायिक जांच दसरा बक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलकों की परीक्षा करेगा। और सभ्यो (डाइबिटीज) के जांचक चिह्न और स्थानों को भी विशेष रूप से मोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लोबल मेड (ग्लोबल मेडिकल) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिजियोलॉजी के स्तर पर केवल पाठ्य तो यह उम्मीदवार को इस वर्ग के साथ फिट घोषित कर सकता है इसका ग्लोबल मेड (अधिमोरी नान डाइबिटीज) है और बोर्ड इस बात को संबद्धता के किसी ऐसे निर्विवाद विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड बयड अवर टावरिंग टैस्ट समेत जो भी क्लीनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेजे देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड का "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अधिप के प्रभाव को सन्तुष्ट करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक प्रसन्नता में पूरी देख-रेख में रखा जाय।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या इससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसकी

अस्थाई रूप से तब तक अस्थायी घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि इसका प्रसन्न पूरा न हो जाय। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद अयोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उम्मीदवार फिर से स्वस्थता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

- (क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ना है और उसके कान में बीमारी का कोई निम्न नहीं है। यदि कान की जरूरी हो तो उसकी परीक्षा फोन-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की जरूरी का हवाय कान्य किया (आपरेशन) या हिपरिंग एज के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता क्योंकि कि कान की बीमारी बड़ने वाली न हो। यह उपस्थित भारतीय रेल, मंडार सेवा के असाया अण रेल सेवाओं, सेवा इंजीनियरिंग सेवा, तार इंजीनियरिंग सेवा, ग्रुप के तार वातावात सेवा, ग्रुप 'क' कौन्सी इंजीनियरिंग सेवा, ग्रुप 'क' और कौन्सी विद्युत इंजीनियरिंग सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है :—

1	2	3
(1) एक काम में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरायन, दूसरा काम, सामान्य होगा।	यदि किसी भी बहुरायन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य	
(2) दोनों कानों में बहुरायन का प्रत्यक्ष बोर्ड, जिसमें ध्वन एज (हियरिंग एज) द्वारा कुछ सुधार संभव है।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रिक्वेंसी में बहुरायन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।	
(3) सेंट्रल अथवा साजिनल टाइप के टिम्पेनिक मेम्रान टिड	(1) एक काम सामान्य हो दूसरे काम से टिम्पेनिक मेम्रान में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य काम की शायद चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में साजिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार को अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (2) के अधीन विचार किया जा सकता है (2) दोनों कानों में साजिनल या एट्रिक छिद्र होने पर अयोग्य।	

1	2	3
		(3) दोनों कानों में से सेट्रल छिद्र होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।
(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से मबनार्मस अवयव।		(1) किसी एक कान से सामान्य रूप में एक ओर से मस्टायड कैविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान से सय-नार्मस अवयव वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य। (2) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की अवयवता अवयव-यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 3 डेसिबल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिए योग्य। तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थाई रूप से अयोग्य।
(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला।		(1) प्रत्येक मासले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। (2) यदि अवयवों सहित नासापटु अपसरण विद्यमान होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।
(6) नासापटु की ह्यूटी संबंधी विषमताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उसमें रहित नाक की जीर्ण-प्रवाहक एजलिक दशा।		(1) टॉमिज और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य। (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।
(7) टॉमिज और/अथवा स्वरयंत्र (लरिम्) की जीर्ण प्रवाहक दशा।		(1) सुत्का ड्यूसर अस्थाई रूप से अयोग्य। (2) कुर्वेड ड्यूसर-अयोग्य।
(8) कान, नाक, गले (ई०एन० टी०) से हुए अथवा अपने स्थान पर कुर्वेड ड्यूसर।		अवयव यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बावजूद अवयवता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य।
(9) आस्टोरोसिस		

1	2	3
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।		(1) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य। (2) घाटी साता में हक-साहू हा तो अयोग्य। अस्थाई रूप से अयोग्य।
(11) नेजस पोली		
(अ) उम्मीदवार बालन में हकलाता/हकलाती नहीं हों।		
(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हों या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी हाने पर तकनीकी दांत मूँचे हों या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों का ठीक समझा जाएगा)।		
(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी हों या नहीं और छाती काफी फाँसरी हों या नहीं तथा उसका विषु या फेफड़े ठीक हों या नहीं।		
(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी हों या नहीं।		
(च) उसे रक्खर हों या नहीं।		
(छ) उस हाइड्रोसिक बड़ी हूँ बरिफेसील, बरिफाब-फिरा (बन) या बवासीर हों या नहीं।		
(ज) उसके बगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा हों या नहीं और उसकी ग्रंथिया भली-भाँति हों स्वतंत्र रूप से हिलती हों या नहीं।		
(झ) उसके कोई चिरस्थायी ल्पचा की बीमारी हों या नहीं।		
(ञ) कोई जन्मजात कर्कशता या दाघ हों या नहीं।		
(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हों या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।		
(ठ) कारीगर टीके के निशान हों या नहीं।		
(ड) उसे कोई संभारी (कम्युनिकेशन) रोग हों या नहीं।		

11. दिल और फेफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हों, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्सरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दाघ मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवयव ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक का अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक ह्यूटी में बाधा पड़ने की संभावना हों या नहीं।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों का चंदावनी दी जाती है कि उपर्युक्त संभावनों के लिए उसकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्डों में खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है किन्तु यदि सरकार का प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के कारण में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक जमीन परीक्षा कर सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार का प्रथम

मैडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख से एक महीने के अन्दर पत्र करना चाहिए करना दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गतती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मैडिकल प्रमाण-पत्र पेश करें तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हासिल में विचार नहीं किया जाएगा जब कि उसमें संबंधित मैडिकल प्रैक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मैडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मैडिकल परीक्षण के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

भारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाय जाने वाले स्टैंडर्ड्स से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और सेवाकाल (यदि हों) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग ऑथारिटी) का यह तसल्ली नहीं है कि उसे कोई ऐसी बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (आइसो इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उससे अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उत्पन्न हो सम्बन्ध है जिसका वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारणर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगीयों का राकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारणर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हास में नहीं दी जाती चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जे केवल कम परिस्थितियों में निरन्तर कारणर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लंडी डाक्टर का मैडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किये जाएंगे, उन्हें भारत में या भारत के बाहर क्षेत्रगत कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर

उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताया जा सकते हैं। किन्तु मैडिकल बोर्ड ने जो सलाह बताई हो उसका विस्तृत स्पष्ट नहीं दिया जा सकता है।

ऐस मामलों में जहां मैडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के अयोग्य बनाये जाने वाली छंटी-सोटी सलाह चिकित्सा (मैडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिक्वाइर किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हुए ज्ञान में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह सलाह दूर हो जाए तो एक दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो द्वारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब द्वारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए स्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और शेषणा

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को निम्नलिखित अपेक्षित स्टैंडमेट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई शेषणा (डिकलरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए हुए नोट में उल्लिखित चेतावनी दी जाए उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना नाम पूरा लिखें

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

3. (क) क्या आप गोरला, गड़वाली, इसमी, नागासैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिनका अहित कर दूसरों में कम होता है। "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर हा में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

(ख) क्या आपका कभी चेक, एक एक कर होना वाला कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, भूक से जून आना, दमा, धिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, कमिटिजम एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ग) क्या दूसरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है?

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण किसी किस्म की अधीरता (नर्वनस) हुई ?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्योम दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	--

यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, और उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, और उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	--	--

6. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि उत्तर या उत्तर हाँ में हाँ तो बताएं किस सेवा/किस्म संघाओं के नियम आपकी परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9. कम और कहां मेडिकल बोर्ड हुआ।

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपका बताया गया हो अवस्था आपको मालूम है।

मैं धीरे-धीरे कहता हूँ कि जहाँ तक मेरा विषय है उत्तर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

डाक्टर के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना का छुपावे से वह नियुक्ति जो बैठने का अधिकार लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वापसी तत्काल भत्ता (सुधारानुदान) अनाज या उपहार (ग्रेण्ट) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(क) (उम्मीदवार का नाम)

की शारीरिक परीक्षा या मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1 सामान्य चिकित्सा अस्था	सामान्य	जराय
पोषण पत्रिका	जिसमें	मोटो
कम (अतः उधार करें)		

मजबूत : वजन में कमी होने से हुआ परिवर्तन

तापमान :

छाती का भार

1. (पूरा सांस जीभन पर)

(पूरा सांस छोड़ने पर)

2. त्वचा—कोई बाहरी बीमारी

3. नेत्र :—

(1) कोई बीमारी

(2) रतौंधी

(3) कठोर विषम का दोष

(4) दृष्टि के दोष (फोल्ड बाफ विषम)

(5) फेड्स की जांच

(6) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)

(7) विविध संगमन की योग्यता

दृष्टि की तीक्ष्णता	कानों के श्रवण	नसों से	नसों की पावर गोल सीलएकस
दूर की नजर	दा० न० बा० न०		
पास की नजर	दा० न० बा० न०		
हाइड्रोमीट्रीया (व्यवस्था)	दा० न० बा० न०		

4. काम : निरीक्षण

सूचना

दाया कान

बाया कान

5. प्रीथिया

बाइराइड

6. दाँतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रजिस्ट्रार सिस्टम) का शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अर्थों से किसी असमानता का पता लगा है।

यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौता है—

8. परिसंचरण तंत्र (सरक्यूलेशनरी सिस्टम)

(क) हृदय और शारीरिक गति (आर्गेनिक मीजम)

गति (रेट) : लड़ने पर

25 बार क्वाए जाने के बाद

क्वाए जाने के 2 मिनट बाद

(क) श्वस प्रेशर : सिस्टोलिक

डायस्टोलिक

9. उबरा (पेट) घंटा

स्पष्टीकरण

हर्मिया

(क) दबाकर मालूम पड़ना : जिगर

तिरुली

पुष्ट

ह्यूमर

(क) रक्तचाप

धर्मांतर

10. तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक रूप-सामान्यता का संकेत
11. भास तंत्र (सोकोमिटर सिस्टम)
कोई असामान्यता
12. जनन मूल तंत्र (जेनेटी यूरेनरी सिस्टम)
हाइड्रोसीन, बैरिडोसीन आदि का कोई संकेत :
- मूल परीक्षा :—
- (क) कैसा बिबाह पड़ा है ?
- (ख) उपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रैविटी)
- (ग) एण्डुमेन
- (घ) संयुक्त
- (ङ) कास्टस
- (च) कोशिकाएँ (सेल्स)
13. छाती के एकतरफे परीक्षा की रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की दृष्टि को वक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?
- नोट :—महिना उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय की गर्भिणी है तो उस अवस्था में उसे अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए (बैचें) नियम 9।
15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के दिन सत्राओं में कार्य को धर्म तथा सतत निष्ठावान होने सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और कि सत्राओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है।
- (ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है ?
- नोट :—श्री के अपना निर्णय निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।

- (1) योग्य
- (2) के कारण योग्य
- (3) के कारण अस्वास्थ्य रूप से अयोग्य
- स्थान अध्यक्ष
- तारीख सचिव

परिच्छेद 3

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके सम्बन्ध में संक्षिप्त विवरण।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा 'परीक्षण' उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में निर्धारित वेतनमान :—

- (1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) (कनिष्ठ वेतनमान)
रु. 2200-75-2800-रु. रा. -100-4000।
- (2) भू-विज्ञानी (वरिष्ठ) (वरिष्ठ वेतनमान)
रु. 3000-100-3500-125-4500।
- (3) निदेशक (भू-विज्ञानी)—रु. 3700-125-4700-150-5000।
- (4) उप महानिदेशक/(भू-विज्ञानी)—रु. 5900-200-6700।
- (5) वरिष्ठ उप महानिदेशक (परिचालन)—7300-100-7600/- रुपए।
- (6) महानिदेशक—रु. 8000/- (प्रगत)।

(घ) सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन को कर्तव्य नहीं होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा संविधान सेवा विनियमों में उल्लिखित है।

(च) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (कोम्प्री सेवाएँ) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(छ) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

(2) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप ब

(क) नियुक्ति हेतु, चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) वेतन का निर्धारित वेतनमान : रु. 2000-60-2300-रु. रा. -75-3200-100-3500।

(घ) भू-विज्ञानी (ग्रुप 'क'—कनिष्ठ वेतनमान) के संदर्भ में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञानी सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञान के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाए।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें बड़ी होंगी जिनका उल्लेख क्रमशः सरकार द्वारा समय-समय पर तथा आयोजित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में किया गया है।

(च) भविष्य निधि की शर्तें बड़ी होंगी जिसका उल्लेख सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में किया गया है।

(छ) सहायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

2. केन्द्रीय भू-जन बोर्ड

(1) वैज्ञानिक "ल" (कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी) ग्रुप 'क'—

(क) नियुक्ति होने पर उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि में परीक्षा और सेवा दी जाएगी। उस अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) केन्द्रीय भू-जन बोर्ड में विहित वेतनमान—

(1) वैज्ञानिक "ल" (कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी)—
रु. 2200-75-2800-घ रु. 100-4000।

(2) वैज्ञानिक "ग" (परिष्ठ जल-भू-विज्ञानी)—
रु. 3000-100-3500-125-4500।

(3) वैज्ञानिक "घ" (घ) रु. 3700-125-4700-150-5000।

(4) मुख्य जल-भू-विज्ञानी—रु. 5100-150-5700।

(ग) सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित किया गया भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के पञ्चम ग्रेड से पदोन्नति की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें बड़ी होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ङ) सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(च) केन्द्रीय भू-जन बोर्ड के सम्पूर्ण अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत के बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

2. सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप 'क'

(क) नियुक्ति होने पर उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि में लिए परीक्षा और नियुक्त किया जाएगा, यदि आवश्यक समझा गया तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) निर्धारित वेतनमान रु. 2000-60-2300-घ रु. 75-3200-100-3500।

(ग) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी (ग्रुप 'क') के संदर्भ में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय नियमों पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जन बोर्ड के सहायक जल विज्ञानी के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(घ) सेवा, अवकाश और पेंशन की शर्तें बड़ी होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें बड़ी होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) सहायक जल भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 9th October 1991

CORRIGENDA

No. 110-Pres/91.—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 60-Pres/91, dated the 15th April, 1991 published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 27th April, 1991 relating to Sarvottam Jeevan Raksha Padak :—

At page 2 Sl. No. 5

For Shri G. S. Gill
Read Shri J. S. Gill

No. 111-Pres/91.—The following amendments are made in this Secretariat Notification No. 62-Pres/91, dated the 15th April, 1991 published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 27th April, 1991 relating to Jeevan Raksha Padak :—

At page 6 Sl. No. 17

For Shri Rachappa Basavanti Harti
Read Shri Harti Rachappa Basavanni

At page 13 Sl. No. 40

For Shri Baikrishna Bajpai
Read Shri Bal Krishna Bajpai

A. K. UPADHYAY, Director

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-110001, the 19th September 1991

No. 4/1-PU/91.—The following members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been duly elected to serve as members of the Committee on Public Undertaking for the term ending on 30 April, 1992 :

MEMBERS OF LOK SABHA

1. Shri Basudeb Acharya
2. Shri A. R. Antulay
3. Shri Chandulal Chandrakar
4. Shri Rudrasen Choudhary
5. Shri Madan Lal Khurana
6. Shri Peter G. Murbanlang
7. Shri M. V. Chandrashekara Murthy
8. Dr. P. Vallal Peruman
9. Shri Plyus Tiaky
10. Shri K. P. Unnikrishnan
11. Shri B. Raja Ravi Varma
12. Shrimati Rita Verma
13. Shri Surhil Chandra Verma
14. Shri V. S. Vijayaraghavan
15. Shri Devendra Prasad Yadav

MEMBERS OF RAJYA SABHA

16. Shri Ashwani Kumar
17. Shri Ajit P. K. Jogi
18. Shri Mohinder Singh Lather
19. Shri Syed Sibtey Razi
20. Dr. G. Vijaya Mohan Reddy
21. Shrimati Kamla Sinha
22. Prof. Chandresh P. Thakur

The Speaker has been pleased to appoint Shri A. R. Antulay as Chairman of the Committee.

G. L. BATRA, Jt. Secy.

DEPARTMENT OF ELECTRONICS

New Delhi, the 27th September 1991

RESOLUTION

No. 25121/91-SOA.—Deptt. of Electronics has set up Software Technology Parks at Bangalore, Pune and Bhubaneswar. These Software Technology Parks are managed by the societies registered at Bangalore, Pune and Bhubaneswar. Deptt. of Electronics have decided to dissolve these societies in accordance with the provision of sections 13 & 14 of the Societies Registration Act, 1860. It has been further decided that the management of these Software Technology Parks at Bangalore, Pune and Bhubaneswar will be transferred along with its claims and liabilities with respect to disposal and settlement of the property of societies to the Software Technology Parks of India, a society registered in Delhi by Deptt. of Electronics to manage all the Software Technology Parks.

ORDER

ORDERED that the resolution be published in the Gazette of India

ORDERED also that copy of the resolution be communicated to the Ministries/departments of the Government of India and all others concerned.

A. K. DEB, Jt. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 7th October 1991

ORDER

SUB: Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Kutch offshore block I Extn F area measuring 560 sq. kms.

No. O-12012/32/90-ONG. D 4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of Rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four years from 4-5-1990 for Kutch offshore block I Extn F area measuring 560 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged :
 - (i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
 - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P & NG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence :—
 - (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
 - (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
 - (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
 - (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
 - (v) Rs. 600/- for the first and second years of renewal.
- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959
- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959

(k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government

(l) The Commission should render, Bathymetric, bottom sampling, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.

(m) The Commission should ensure security of oceanographic data.

(n) The entire data is processed in India.

(o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team

(p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer

SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates of Kutch offshore block I Extension F area measuring 560 sq kms.

Point	Longitude	Latitude
A	23° 14' 10"	68° 18' 00"
B	23° 14' 10"	68° 30' 00"
C	23° 00' 00"	68° 30' 00"
D	23° 00' 00"	68° 18' 00"

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

A—Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B—Casing-head condensate

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C—Natural Gas

Total No. of cubic metres obtained	No. of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No. of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri.....do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India

.....
(Signature)M. Martin
Desk Officer

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
(DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 27th September 1991

RESOLUTION

No Ceramics/11(21)/91.—Government of India have decided to re-constitute the Development Panel for Ceramics Industries with the following composition and for the period of two years from the date of issue of this Resolution :—

Chairman

1. Shri T. Venkateshwar Rao,
Neycer India Ltd.,
52, Chamler Road,
Madras-600 028.

Members

2. Shri N. G. Basak,
Industrial Adviser-in-Charge,
DGTD, New Delhi.
3. Director (CGF Section),
Deptt. of Ind. Development,
Udyog Bhavan,
New Delhi.
4. Representative, DC (SSI),
Nirman Bhawan,
New Delhi.
5. Shri M. K. Basu,
Dy. Director,
Central Glass & Ceramic Research,
Institute, Calcutta-700 032.
6. Representative,
Indian Bureau of Mines,
Indira Bhawan, Civil Lines,
Nagpur-440 001.
7. Representative, Bureau of Indian Standards,
Munak Bhawan,
9, Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi-110 002.
8. Shri B. M. Rai,
Dy. General Manager,
BRIEL, Electro Porcelain Division,
P.B. No. 1245,
Bangalore-560 012.
9. Shri R. K. Somani,
President,
Hindustan Sanitaryware & Industries Ltd.,
Bahadur Garh, Distt. Rohtak,
Haryana.
Vice President,

10. Shri M. Umakanth,
General Manager,
EID, Parry Ltd.,
Ranipet, North Arcot,
Tamil Nadu.
11. Shri G. N. Naidu,
Managing Director,
Regency Ceramics Ltd.,
N. N. House, Ching All Lane,
Hyderabad-500 001.
12. Shri N. K. Khullar,
Vice President,
Kajaria Ceramics,
C-7, East of Kailash,
New Delhi-110 065.
13. Shri D. A. Kollan,
H&R Johnson India Ltd.,
Kunad Chambers,
132 Annie Besant Rd.,
Bombay-400 018.
14. Shri A. K. Kalappa,
General Manager,
M/s. English Indian Clay Ltd.,
'Veli' Trivandrum-695021.
15. Shri P. M. Lodha,
Managing Director,
M/s. Jaya Shree Insulators,
15A Homanta Bahu Sarani,
Calcutta-700 001.
16. Shri Ved Kapoor,
President,
M/s. Hukari Potteries Ltd.,
Vandana (11th Floor),
11, Tolstoy Marg,
New Delhi-110 001.
17. Managing Director,
Jyoti Ceramics Industries Ltd.,
C-21, NICE, Satpur,
Nasik-422 007.
18. Shri G. M. Agarwal,
Managing Director,
Ferro Coating & Colors Ltd.,
Joka, Diamond Harbour Rd.,
Calcutta.
19. Shri B. D. Kothari,
Managing Director,
Madhusudan Ceramics Ltd.,
Ahmedabad.
20. Shri G. K. Bhagat,
Managing Director,
M/s. Bengal Potteries Ltd.,
11 Sarojini Naidu Sarani,
Calcutta-700 017.

Member-Secretary

121. Dr. S. Sen Sarma,
Asstt. Development Officer,
DGTD, New Delhi.

2. Terms of Reference :—

- (1) To review the present status of industry region-wise in terms of capacity and production estimate the demand projection and recommend necessary measures for accelerated growth.

- (ii) To study the current status of technology and forecasting of future technologies needs industry upgradation of technology.
- (iii) To evaluate the input resources in terms of Raw materials and fuel and to standardise the norms of consumption of materials and energy and to develop energy efficient process and technology.
- (iv) To augment developmental activity for import substitute in terms of product, raw materials and components.
- (v) To explore the potential raw materials for high technology application and to take appropriate R & D activity in the relevant National Laboratories/institutions for development of such raw materials.
- (vi) To survey the export potential of the ceramic products and to work out the scope of indigenous development for export item in organised sector as well as in the small scale sector.
- (vii) Any other aspects which the panel deems important in the interest of the growth and development of ceramic industry.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

The 1st October 1991

RESOLUTION

No. Ref/4(4)/91.—Government of India have decided to reconstitute the Development Panel for Refractory industries with the following composition and for the period of two years from the date of issue of this Resolution :—

Chairman

1. Shri Swaminathan,
Managing Director,
M/s. Tata Refractories Limited,
XLRI Campus, C.H. Area (East),
Jamshedpur.

Members

2. Shri N. G. Basak,
Industrial Adviser (Incharge),
D.G.T.D. Udyog Bhavan,
New Delhi.
3. Director (C.G.F. Section),
Deptt. of ID, Ministry of Industry,
Udyog Bhavan,
New Delhi.
4. A representative from DC(SSI),
Nirman Bhavan,
New Delhi
5. Dr. G. Banerjee,
Central Glass & Ceramic Research Institute,
Calcutta-700 032.
6. Director,
Indian Bureau of Mines,
Nagpur-440 001
7. Shri Syed Munir Hoda,
Managing Director,
M/s. Tamil Nadu Magnesite Limited,
5/53, Omahur Main Road,
Tajir Ammapalayam
Salem-636 302.

8. President,
M/s. Alloy Steel Producers Association of India,
Bhaktawar, 1st Floor,
Nariman Point,
Bombay
9. President,
All India Glass Manufacturers Federation,
812, New Delhi House, 7, Barakhamba Road,
New Delhi-110 001.
10. President,
Indian Refractory Makers Association,
6, Netaji Subhas Road,
Calcutta-700 001.
11. Director,
Bureau of Indian Standard,
Ferozshah Zafar Marg,
New Delhi.
12. Dr. A. K. Chatterjee,
M/s. A.C.C. Limited (Central Research Station),
Thane,
Maharashtra.
13. Shri V. S. Dave,
D.G.M. (Steel & Refractory),
R&D SAN., Ranchi
Bihar.
14. Dr. N. R. Sarkar,
Director (Technical),
M/s. Bharat Refractory Limited,
Bokaro (Bihar)
15. Shri R. G. K. Pillay,
Marketing Manager,
Refractory Division,
M/s. Carborandum Universal,
28, Rajaji Road,
Madras-600 001.
16. Shri R. H. Dalmia,
M/s. Orissa Cement Limited,
Rajnangpur, Orissa.
17. Shri K. P. Jhunjhunwala,
M/s. Orissa Industries Limited,
Uditnagar, Orissa.
18. Shri S. G. Rajgaria,
M/s. Orient Abrasive Limited,
Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.
19. Shri Sunil Roy,
M/s. Indo-Flowgates Limited,
3, Netaji Subhas Road,
Calcutta-1.

Member Secretary

20. Shri B. Bose,
Development Officer,
DGTD, Udyog Bhavan,
New Delhi
2. The terms of reference of the Panel would be as under:—
- (i) To review the present status of the industry, perspective for its future growth, estimate the demand and recommend steps to cover the gaps.
 - (ii) (a) To evaluate the status of technology and suggest measures for upgrading the same to bring it upto the desired level and to suggest measures for modernisation.
 - (b) To consider the level of development and suggest measures for development of designs/process, as applicable.

- (iii) To advise on norms for material and energy consumption, steps for reduction in the same and to recommend measures for improvement of efficiency and productivity.
- (iv) To advise on the economic and desirable scales of production for different sectors of the industry.
- (v) To suggest measures for import substitute of the product, its raw materials, and components.
- (vi) To advise on steps for export generation.
- (vii) To advise on pattern of regional development and growth of the industry, taking into accounts the sources of supply of raw materials and areas of consumption.
- (viii) Any other aspects which the panel deems important in the interest of the growth and development of the industry.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

MADAN MOHAN,
Director (Administration)

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th September 1991

No. Q-166012/2/89-ESA(WE) (.).—In pursuance of Rule 3 (iii) read with Rule 4(v) & (vii) of the Rules and Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri Nirode Baran Das, President, I.N.T.U.C., Tripura Branch, as a member of the Central Board for Workers Education in place of Shri P. S. Ghatowar, Organising Secretary, INTUC, Dibrugarh, to represent the Indian National Trade Union Congress on the Central Board for Workers Education, from the date of issue of this Notification.

2. The following changes shall be made accordingly in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated 25th June, 1990 published in the Gazette of India Part-I Section-1, as amended from time to time :—

- (i) For the existing entry viz :—

“15. Shri P. S. Ghatowar,

Organising Secretary, INTUC,

Post Box No. 38, Jiban Phukan Nagar,
Dibrugarh-786 001.”

- (ii) the following entry shall be substituted viz :—

“15. Shri Nirode Baran Das,
President,

INTUC Tripura Branch,

C/o Tripura Cha Mazdoor Union,

Krishnanagar, Nutanpally,

PO Agartala-799001, West Tripura.”

G. S. LOBANA,
Jt. Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

New Delhi, the 2nd November 1991

RULES

No. 4/3/91-M.II(V).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1992 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of Ministry of Water Resources, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines).

- (i) Geologist (Junior), Group A and

- (ii) Assistant Geologist, Group B.

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Water Resources).

- (i) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A.

- (ii) Assistant Hydrogeologist, Group B.

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the post for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

2. Appointment on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission

5. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1992 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1962 and not later than 1st January, 1971.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants, if they are employed in a Department mentioned in Column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in Column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior) Group A. Assistant Geologist, Group B
Central Ground Water Board	Scientist 'B' (Tr. Hg.) Group A. Assistant Hydrogeologist, Group B.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

- (v) up to a maximum of eight years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (vi) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1992 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

- (vii) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1992 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military service or (iii) on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(viii) up to a maximum of 5 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond 5 years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(ix) up to a maximum of 10 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond 5 years, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

NOTE I—The term ex-servicemen will apply to the persons, who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and posts) Rules, 1979, as amended from time to time

NOTE II—Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 6(c) (vi) & 6(c) (vii) of the Rules.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer provided his application, duly recommended has been forwarded by his parent Department

7. A candidate must have—

(a) Master's degree in Geology or Applied Geology or Marine Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or

(b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or

(c) Master's degree in Mineral Exploration from a recognised University (for posts in the Geological Survey of India only), or

(d) Master's degree in Hydrogeology from a recognised University (for posts in the Central Ground Water Board only)

NOTE I—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the results may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 26th August, 1992

NOTE II—In exceptional cases the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination

NOTE III—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission

8 Candidates must Pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9 All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

10. The decision of the Commission as to the eligibility, or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to the candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period:—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14 (i) After the interview the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the posts.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs 16.00 (Rupees Sixteen only) to the Medical Board concerned at the time of the Medical Examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment in Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5—301 GI/91

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

RAKESH BHARTIYA, Under Secy.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan.

PART I.—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II.—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 8 below).

2. The following will be the subjects for the written examination:—

Subject	Code No.	Duration	Maximum Marks
(1) General English	01	1½ hrs.	100
(2) Geology Paper I, comprising General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology	02	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, comprising Crystallography, Mineralogy, Petrology and Geo-Chemistry	03	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III, comprising Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration, Mineral Economics and Economic Geology	04	2 hrs.	150
(5) Hydrogeology	05	2 hrs.	150

NOTE.—Candidates competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects at (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all the subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including sample Questions, please see "Candidates' Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

The Question Papers (Test Booklets) will be set in English only.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

8. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidate's grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH (Code 01)

Questions to test the understanding of and the power to write English.

(2) GEOLOGY PAPER I (Code 02)

A. General Geology.—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, Ocean spreading and concept of plate-tectonics. Palaeoclimates and their significance. Isotasy, Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to geology, Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism, Island arcs, deep-sea trenches and mid-oceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Organic cycles.

B. Geomorphology.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. Structural Geology.—Physical properties of rocks. Deformation; Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lamination, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds. Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. Stratigraphy.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of word stratigraphy and palaeogeography. Type section of the various geological system. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations, age problems in Indian stratigraphy.

E. Palaeontology.—(a) Fossils, their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals brachiopods, lamelli branch ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifera.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology, its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II (Code 03)

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections—planar and Stereographic; 32 classes (Point groups). Twinning and crystal imperfections.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Olivine group. Garnet group, Epidote group and Melilita group. Zircon, Spinel, Sillimanite, Andalusite. Kyanite, Topaz, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline, Pyroxene group and Amphibole group. Wallastonite and Rhodonite. Mica Group. Chloride group and Clay minerals. Feldspar group. Silica minerals. Feldspathoid group. Geolite group and Sapolite group. Oxides, Hydroxides. Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics, Optical accessories, Refractive index, Birefringence. Extinction angle, pleochroism. Optical isobands. Optical axial angle, optic orientation. Dispersion. Optic anomalies.

D. PETROLOGY

(i) *Igneous* : Forms, structures, texture and classification. Granite-Granodior-Diorite, Syenite-Nepheline Syenite, Gabbro-Peridotite-Dunite, Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Aplite, Hellite and Carbonatite, Rhyolite, Trachyte, Dacite, Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of Crystallisation Reaction principle. Crystallisation of magmas, Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary* : Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and Basin-analysis. Provenance of sediments. Depositional environment. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic* : Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granulisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

(4) GEOLOGY PAPER III (Code 04)**A. INDIAN MINERAL DEPOSITS**

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin :

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semi-precious minerals, refractory minerals, abrasives and minerals for ceramics, glass, fertiliser-cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

B. MINERAL EXPLORATION

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration, guides for locating ore deposits. Sampling, assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.

C. MINERAL ECONOMICS

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of Mineral industries, Strategic critical and essential mineral. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

D. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

HYDROGEOLOGY (Code 05)

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic water, springs. Classification of rocks with respect to water bearing characteristics. Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence. Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, aquicludes, aquitards, classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—permeability and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge, conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigation, Water pollution.

APPENDIX II**REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming upto the required physical standard.

The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care

will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in the centimetres thus 84--89, 86--93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded

(i) *General*.—The candidate's eye will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standard for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9	6/9	0.6	0.8
or	or		
6/6	6/12		

Note (1)—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Note (2)—*Fundus Examination*: Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

Note (3)—*Colour vision*: (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below:—

Grade	Higher Grade of Colour Perception	Lower Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture	1.3 mm.	1.3 mm.
3. Time of exposure	5 Sec.	5 Sec.

For the post of Geologist (Jr.) and Assistant Geologist concerning Geological Survey of India and Junior Hydrogeologist and Asstt. Hydrogeologist concerning Central Ground Water Board, the medical standards in regard to colour perception and all other tests relating to eyes will be of high order.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like edrige green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the tests, both the tests should be employed.

Note (4)—*Field of vision*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

Note (5)—*Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is

prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such a rough test, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

Note (6)—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*—Any organic disease or a progressive reactive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard, should be considered as disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The

cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and re-appear at still lower level. This silent Gap may cause error in readings).

8. The urine passed in the presence of the examiner, should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will issue its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after

the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if, the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account; provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Fit for non-technical job the deafness is up to 30 decibel in higher frequency	
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.	
(3) Perforation of tympanic membranes of Central or marginal type.	(i) one ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit. Under Improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporary unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.	
	(ii) Marginal or little perforation in both ears—Unfit.	

1	2	3
	(iii) Centre perforation both ears—Temporarily unfit.	(b) that his speech is without impediment,
(4) Ears with Mastoid cavity abnormal hearing on one side/on both sides	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides, Unfits for technical jobs—Fit for non-technical jobs of hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound); (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient, and that his heart and lungs are sound, (e) that there is no evidence of any abdominal disease; (f) that he is not ruptured; (g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles,
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints,
(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal Septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit	(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease; (j) that there is no congenital malformation or defect;
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree is present then Temporarily Unfit.	(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution. (l) that he bears marks of efficient vaccination; and (m) that he is free from communicable disease.
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T	(i) Benign tumours Temporarily—Unfit (ii) Malignant Tumour—Unfit.	11 Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid. Fit.	When any defect is found it must be noted in that Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.
(10) Congenital defect of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit	Note.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine the fitness for the above posts. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.	

in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate had already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologist are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily 'Unfit', period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters).....
2. State your age and birth place
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese; Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No'. and if the answer is "Yes" state the name of the race.
- (b) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.
- (c) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. Have you suffered any form of nervousness due to overwork or any other cause?

5. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living, and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages and cause of death
Mother's age if living, and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages and cause of death

6. Have you been examined by a Medical Board before?

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for.

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical Board held?

10. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

Note:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims of superannuation allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development: Good.....Fair.....Poor.....

Nutrition: Thin.....Average.....Obese.....
Height (without shoes).....Weight.....

Any recent change in weight.....

Temperature.....

Girth of Chest:—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin: any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of Vision

(5) Fundus Examination

(6) Visual Acuity

(7) Ability for stereoscopic fusion.....

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses sph. cv. Axis.
------------------	-----------	--------------	------------------------------------

Distant Vision

RE

LE

Near Vision

RE

LE

Hypermetropia (Manifest)

RE

LE

4. Ears: Inspection.....Hearing: Right Ear.....
.....Left Ear.....

5. Glands.....Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully

8. Circulatory system

(a) Heart and organic lesions

Rate: Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure: Systolic.....Diastolic

9. Abdomen: Girth

Tenderness

Hernia

(a) Palpable Liver.....Spleen

Kidneys.....Tumours

(b) Haemorrhoids.....Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disability

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate

Note.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

Note.—The Board should record their finding under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

President

Member

Place

Date

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India.

(i) Geologist (Junior) (Junior Scale)—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Geologist (Senior) (Senior Scale) Rs. 3000—100—3800—125—4500.

(iii) Director (Geology) Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Dy. Director General (Geology) Rs. 5900—200—6700.

(v) Sr. Dy. Director General (Operation) Rs. 7300—100—7600.

(vi) Director General Rs. 8000 (fixed).

(d) Promotions to the higher grade of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scale of pay Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

- (d) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (e) Conditions of service and leave and pension are those described in all the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (f) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (g) Assistant Geologist are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

(1) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A—

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.
- (b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—
 - (i) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.
 - (ii) Scientist 'C' (Sr. Hg.) Rs. 3000—100—3500—125—4500.
 - (iii) Scientist 'D' Rs. 3700—125—4700—150—5000.
 - (iv) Chief Hydrogeologist Rs. 5100—150—5700.
- (c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

- (d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

- (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

- (f) All Officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Hydrogeologist, Group B—

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.
- (b) Prescribed scale of pay Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.
- (c) Recruitment to the cadre of Scientist 'B' Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.
- (d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (f) Assistant Hydrogeologist are liable for Service anywhere in India or outside India.

